एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी - 010

द्वितीय वर्ष - तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड	कहाँ प्रेषित करें	सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम तिथि
01	एम ए एच डी – 13	सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर	31.03.2021
02	एम ए एच डी – 14		
03	एम ए एच डी – 15		
04	एम ए एच डी – 16		
05	एम ए एच डी – 17		
06	एम ए एच डी – 18		

- अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

Š

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र - 442 001

फोन/फैक्स नं.: 07152-247146

वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01-01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा-सृजनात्मक लेखन पाठ्यचर्या के लिए विकल्प - 02, पाठ्यचर्या का शीर्षक - सृजनात्मक लेखन, पाठ्यचर्या कोड - MAHD - 18 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है , आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।

- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।
  उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा.

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :-

- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :-

- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए , श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार स्वयं ही हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज का प्रयोग करें।

- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की कंप्यूअर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक - 01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्याका शीर्षक लिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुरी/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा सही मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नाभाग में सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
07. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर –

सत्रीय कार्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010 अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेगें और एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेगें।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष : तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक - 1

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 13 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 13

पाठ्यचर्या का शीर्षक : आधुनिककालीन हिंदी काव्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के काव्य 'प्रियप्रवास' में व्यक्त लोकहित की कामना का उदाहरण सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. 'कामायनी' काव्य में निहित आधुनिकता के संदर्भ का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. सुमित्रानंदन पंत की काव्य-यात्रा और उसके वैविध्य की चर्चा कीजिए।
4. रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को उदाहरणों के साथ समझाएँ।
5. मुक्तिबोध की कविताओं में व्यक्त बिम्ब-योजना और प्रतीक-योजना का तार्किक आकलन प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 02

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 14 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 14
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी आलोचना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. आलोचना के मुख्य भेद कौन-कौन से हैं , उन भेदों का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।
2. आधुनिक हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास को प्रस्तुत करते हुए उसकी विशेषताओं को समझाएँ।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना- दृष्टि और इतिहास-दृष्टि का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना के सरोकारों में हिंदी नवजागरण के महत्त्व को विश्लेषित कीजिए ।
5. विजयदेव नारायण साही की व्यावहारिक आलोचना-दृष्टि का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रशनपत्र क्रमांक – 03

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 15 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 15
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपी

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिंदी भाषा समुदाय के वर्गीकरण सारणीबद्ध विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. भाषा संरचना की व्याकरणिक कोटियों को प्रस्तुत करते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।
3. भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी की विस्तृत चर्चा कीजिए।
4. देवनागरी लिपि एवं मानकीकरण के स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।
5. हिंदी के वैश्विक स्वरूप की रुपरेखा पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

फरवरी 2021

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 04

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 16 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 16
पाठ्यचर्या का शीर्षक : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की प्रमुख समस्याएँ क्या हैं और उसे दूर करने के संभावित उपाय क्या हो सकते हैं, विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. 'उतनी दूर मत ब्याहना बाबा' कविता के आधार पर संताली कविता में निर्मला पुतुल की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।
3. मलयालम उपन्यास 'चेम्मीन' मछुआरे के जीवन की संघर्ष-गाथा को प्रस्तुत करता है – इस संदर्भ से 'चेम्मीन' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. गिरीश करनाड के नाट्य-कर्म का परिचय देते हुए 'तुगलक' नाटक के संदर्भ और उसके परिवेश को प्रस्तुत कीजिए ।
5. रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानी 'काबुलीवाला' की संवेदना और संरचना को समझाते हुए संवेदना और संरचना के धरातल पर प्रेमचन्द की कहानी 'ईदगाह' का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 05 (विकल्प-01)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 17 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 17
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी भाषा एवं भाषा-शिक्षण

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. भाषा-शिक्षण की अवधारणा और भाषा-शिक्षण की उपादेयता को समझाकर प्रस्तुत कीजिए।
2. हिंदी भाषा-संरचना में ध्वनी संरचना के स्वरूप कोप्रस्तुत कीजिए।
3. हिंदी भाषा-शिक्षण में ऑनलाइन भाषा-शिक्षण के अनुप्रयोग और उसके व्यावहारिक पक्षों का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. हिंदी भाषा-शिक्षण में भाषा-मूल्यांकन और परीक्षण के परिदृश्य की रुपरेखा की प्रस्तुत कीजिए।
5. वाचन के प्रकारों का विस्तार से विश्लेष्ण और आकलन प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 05 (विकल्प-02)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 18 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 18
पाठ्यचर्या का शीर्षक : सृजनात्मक लेखन

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियमों के अंतर्गत विषवस्तु के निर्धारण की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए।
2. सृजनात्मक लेखन को प्रभावित करने में लेखकीय मनोविज्ञान की प्रमुख भूमिका होती है । इस संदर्भ से किसी रचनाकर के किसी कहानी का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. रिपोर्ताज का अर्थ बताते हुए उसके स्वरूप पर विस्तार से चर्चा कीजिए कीजिए।
4. सृजनात्मक लेखन से संबंधित किसी एक ब्लाग (Blog) संपूर्ण आकलन प्रस्तुत कीजिए।
5. ऑफलाइन हिंदी साहित्य और ऑनलाइन हिंदी साहित्य के पठन-पाठन में आप किसे बेहतर मानते हैं , तर्क सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

परिशिष्ट – 01

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

..

›

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001

फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

....

एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम , द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड: एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्चर्या का शीर्षक :

....

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

नामांकन संख्या :

पत्राचार पता :

मोबाईल नं. :

ई- मेल :

....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान:

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 10

द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड / परियोजना कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य/परियोजना कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम तिथि
01	एम ए एच डी – 19	सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर	31.03.2021
02	एम ए एच डी – 20		
03	एम ए एच डी – 21		
04	एम ए एच डी – 22		
05	एम ए एच डी – 23		
06	एम ए एच डी – 24		

- **अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य/ परियोजना कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।**

Š

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र – 442 001

फोन/फैक्स नं.: 07152-247146

वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

फरवरी 2021

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम **04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं** तथा **पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) हेतु निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) का चयन करना है ।** विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं के सत्रीय कार्य तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या के अन्तर्गत निर्धारित परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन (MAHD-23) अथवा हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन (MAHD-24) में से 01 विकल्प का चयन कर उससे सम्बन्धित 01 परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष के **चतुर्थ सेमेस्टर** में **कुल 04 सत्रीय कार्य** तथा **01 परियोजना कार्य** सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) के लिए निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकनार्थ निम्नलिखित URL का उपयोग किया जा सकता है साथ ही परियोजना कार्य के पर्यवेक्षण के संबंध में जानकारी के लिए सीधे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क किया जा सकता है।

परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिका URL :

1. http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-23%20rachnakaar_ka%20vishesh_aadhyayan.pdf
2. http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-24%20hindi_kee_sanshkriti_ka_vishesh_aadhyayan.pdf

पूर्ण किये गए **सत्रीय कार्यों** तथा **परियोजना कार्य** को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम दिनांक से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा प्रस्तुत सत्रीय कार्यों तथा परियोजना कार्य की एक-एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

फरवरी 2021

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है , आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।
- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।
उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :-

- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :-

- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए , श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।

- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार स्वयं ही हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कामज़ों का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की कंप्यूअर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

फरवरी 2021

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठके प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक-01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षकलिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुरी/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठके निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को परियोजना कार्य की रिपोर्ट के साथ जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
07. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य, एम.ए. हिंदीपाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010** अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य और परियोजना कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेगें और एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम सफलता पूर्वकसंपन्न करेगें।

फरवरी 2021

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक - 1

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 19 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 19
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. नीति और नीतिकाव्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रयोजनीयता का मूल्यांकनप्रस्तुत कीजिए।
2. नीतिकाव्य की परम्परा में भक्तिकालीन साहित्य की उपादेयता का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. 'मूल्य' और 'जीवन-मूल्य' क्या है ? 'जीवन-मूल्य' के संबंध में भारतीय दृष्टिकोण का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. भक्तिकाव्य परम्परा की मूल्य चेतना में तुलसीदास के काव्य में नीति का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।
5. कबीरदास के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक नीति का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

फरवरी 2021

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 2

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 20 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 20
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी के विविध गद्य-रूप

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. 'अशोक के फूल' निबंध की सामाजिक चेतना और शिल्पगत वैशिष्टय का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. हिंदी में जीवनी साहित्य का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'आवारा मसीहा' की विषय-वस्तु और उसकी प्रमाणिकता को रेखांकित कीजिए।
3. संस्मरण के स्वरूपों का उल्लेख करते हुए महादेवी वर्मा के संस्मरण 'पथ के साथी' की विवेचना कीजिए।
4. रिपोर्ट और रिपोर्ताज में अंतर को परिभाषित करते हुए स्वयं के द्वारा एक संक्षिप्त रिपोर्ताज लिखिए।
5. डिजिटल होते वातावरण में पत्र-साहित्य के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

फरवरी 2021

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 3

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 21 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 21
पाठ्यचर्या का शीर्षक : भाषाविज्ञान

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. भाषा की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए भाषा-परिवर्तन के स्वरूप और उसकी दिशाओं का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. भाषाविज्ञान की शाखाओं का उल्लेख करते हुए तुलनात्मक भाषाविज्ञान की विशिष्टा को रेखांकित कीजिए।
3. स्वर और व्यंजन की परिभाषा देते हुए उनका सारणीबद्ध वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।
4. भाषाविज्ञान में शब्द और अर्थ के संबंध को विश्लेषित करते हुए अर्थ विज्ञान के भारतीय संबंध को समझाएँ।
5. भाषा शास्त्र के अंतर्गत स्वनिम विज्ञान महत्त्व को चिन्हित कीजिए।

फरवरी 2021

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 4

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 22 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 22
पाठ्यचर्या का शीर्षक : नव सामाजिक विमर्श

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री-विमर्शमूलक साहित्य लेखन के परिदृश्य का विश्लेषण कीजिए।
2. दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता का विश्लेषण कीजिए।
3. आदिवासी-विमर्श की सैद्धांतिकी को स्पष्ट करते हुए आदिवासी विमर्श में मौखिक और लिखित साहित्य परम्परा के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।
4. कवयित्री अनामिका की कविता 'तुलसी का झोला' के काव्य-शिल्प की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।
5. 'एक जमीन अपनी' उपन्यास की स्त्री के मूल स्वर की पहचान करते हुए उसे स्त्री-विमर्श के मानकों पर तर्क सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

परिशिष्ट – 01

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

..

›

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

....

एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम , द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड: एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्चर्या का शीर्षक :

....

विद्यार्थी का नाम :
अनुक्रमांक :
नामांकन संख्या :
पत्राचार पता :
मोबाईल नं. :
ई- मेल :

....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान:

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

फरवरी 2021